● **सुनो, समझो और बताओ :**

९. फैसला

इस कहानी में पर्यावरण प्रदूषण संबंधी सजगता निर्माण की गई है । पटाखों से होने वाले ध्वनि एवं वायु प्रदूषण दूर करने के लिए बच्चों को पटाखे फोड़ने से रोका गया है । पर्यावरण शुद्ध एवं स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया गया है ।

5N2URY

स्वयं अध्ययन

किसी एक त्योहार संबंधी चित्र बनाओ और रंग भरकर उसका महत्त्व बताओ ।

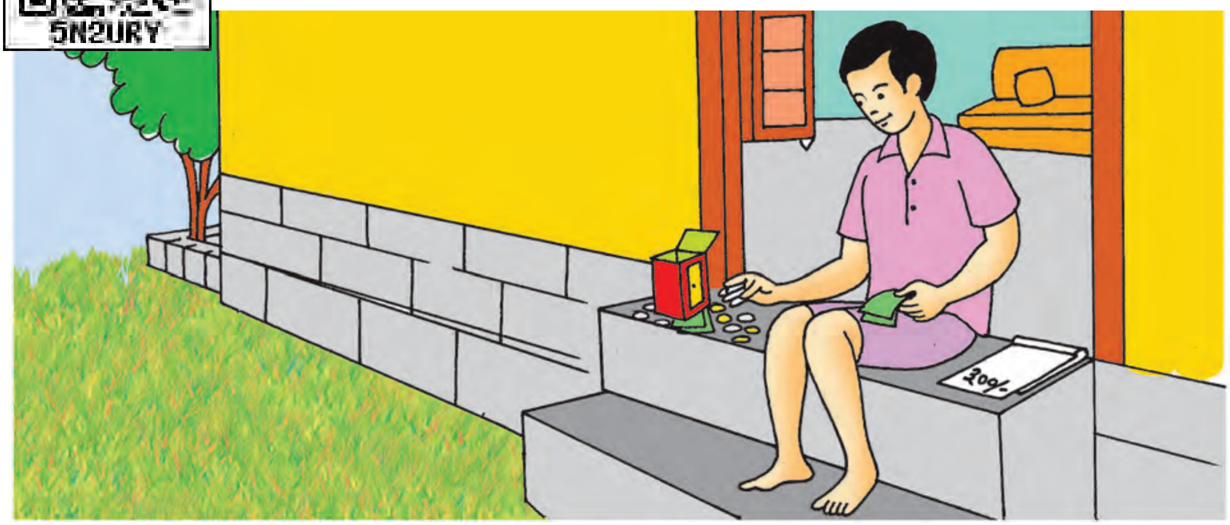

जुगनू ने अपनी गुल्लक से रुपये निकाल कर गिने । पूरे तीन सौ थे । वह खुशी से बोला, ''वाह! इस बार आएगा मजा । जितने पटाखे मैं लेकर आऊँगा, शैरी के पास तो उससे आधे भी नहीं होंगे ।''

शैरी जुगनू का दोस्त था । दोनों दोस्त भाँति-भाँति के पटाखे खरीदने की योजनाएँ बना रहे थे ।

''मैं भी इस बार स्पेशल रेल गाड़ी लाऊँगा । जब धागे से बँधी यह रेल गाड़ी इधर-उधर दौड़ेगी तो देखने वाले दंग रह जाएँगे । पाँच दर्जन बम, महताबी डिबिया, फुलझड़ियाँ, छतरी वाला बम । कई दिनों तक खतम नहीं होगी मेरी आतिशबाजी,'' स्कूल में खेलते समय शैरी ने जुगनू से कहा ।

घर वापस आते समय दोनों दोस्तों ने गगन से पूछा, ''तुम कौन-कौन-सी आतिशबाजी ला रहे हो ?''

गगन तपाक से बोला, ''मैं तो भई एक सौ बमों वाली लंबी लड़ी लाऊँगा । जब तड़पड़-कड़कड़ करती हुई चलेगी तो गली-मुहल्लेवालों को बहरा न कर दे तो कहना ! पापा से मैंने रुपये भी ले लिए हैं ।''

आखिर दीपावली का दिन भी आ गया ।

सुबह से ही बाजार में खूब चहल-पहल थी । दुकानदारों ने आतिशबाजी को अपनी-अपनी दुकानों के आगे खूब सजाया हुआ था । शाम हुई तो शैरी ने आकर जुगनू के घर की घंटी दबा दी । जुगनू बाहर आया तो शैरी एकदम उससे बोला, ''जुगनू, पाँच बज चुके हैं । पटाखों की गूँज तेज हो रही है । चलो, हम भी आतिशबाजी खरीदने चलें ।''

''चलते हैं मित्र । अभी-अभी गगन का भी फोन आया है । वह भी अपने साथ आएगा । बस पाँच मिनट

❑ उचित आरोह-अवरोह के साथ प्रत्येक परिच्छेद का वाचन करें । कतिपय विद्यार्थियों से मुखर वाचन करवाएँ । पूरी कहानी का मौन वाचन कराके विद्यार्थियों को कहानी के आशय पर चर्चा करने के लिए प्रेरित करें । आतिशबाजी संबंधी उनके अपने अनुभव बताने के लिए कहें ।

में आ रहा है,'' जुगनू बोला ।

शैरी एकदम बोला, ''मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि गगन के पाँच मिनट कितने बड़े होते हैं । मैं खुद ही लेने जाता हूँ उस साहब को । तुम बस अपनी तैयारी रखना ।'' कहकर शैरी एकदम बाहर निकला और अपनी साइकिल पर उसके घर की तरफ रवाना हो गया ।

अभी शैरी को गए कुछ ही क्षण हुए थे कि अचानक ही जुगनू के घर में उसे पढ़ाने वाली अध्यापिका श्रीमती जतिंदर कौर जी ने प्रवेश किया । उनके हाथ में एक समाचार पत्र था ।

मैडम ड्राइंग रूम में आ बैठीं ।

''जुगनू ।'' मैडम बोलीं, ''मैं तुम्हारे भले की बात कहने आई हूँ । यह मत सोचना कि मैडम दीपावली के दिन मन खराब करने आ गई हैं ।''

जुगनू उन्हें पानी का गिलास देकर उनके सामने खड़ा हो गया और बोला, ''कौन-सी बात मैडम?''

मैडम ने पूछा, ''पहले तुम यह बताओ कि तुम पटाखे खरीद लाए हो या नहीं?''

''नहीं मैडम ।'' वह बोला, ''हम अभी खरीदने के लिए जाने ही वाले थे ।''

''कितने रुपयों के पटाखे खरीदोगे?'' उन्होंने फिर पूछा ।

''जी, तीन सौ रुपए के,'' जुगनू का उत्तर था ।

''अब मेरी बात सुनो ।'' यह कहकर मैडम ने पानी पिया और खाली गिलास को मेज पर रख कर बोलीं, ''देखो जुगनू, प्रकृति ने हमारे सभी के बचाव के लिए अंतरिक्ष में एक छाता ताना हुआ है जिसे हम 'ओजोन की परत' कहते हैं । यह परत ऑक्सीजन से बनी हुई है । शायद तुम्हें अभी पता न हो । फैक्ट्रियों और गाड़ियों में से निकलने वाला जहरीला धुआँ 'ओजोन' की इस परत को बहुत नुकसान पहुँचा रहा है । इसलिए इस छाते में बड़े-बड़े छेद हो गए हैं ।''

''फिर तो मैडम जो आज लाखों-करोड़ों पटाखे चलेंगे, उनका धुआँ तो इस छाते को और भी नुकसान

❑ चौंक पड़ना, सोचना, चुप होना, रोना, सिसकी भरना, सिहर उठना, सिर पर हाथ फिराने की कृतियाँ कक्षा में विद्यार्थियों से करवाएँ । कहानी में आए मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करने के लिए कहें । कहानी में आए संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द ढूँढ़कर पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें ।

विदेशों में रहने वाले भारतीय मित्र अपने-अपने पर्व कैसे मनाते हैं? अंतरजाल की सहायता से बताओ।

पहुँचा सकता है,'' जुगनू ने अपना डर प्रकट किया।

मैडम जतिंदर कौर एकदम बोल उठीं, ''बिलकुल ठीक कहा तुमने।'' इसके साथ ही उन्होंने एक प्रश्न भी जुगनू से कर दिया, ''यदि फैक्ट्रियों, पटाखों और मोटर-गाड़ियों का धुआँ इस तरह ही निकलता रहा तो मालूम है क्या होगा?''

जुगनू ने 'न' में सिर हिला दिया।

''इस अत्यंत हानिकारक धुएँ के कारण ओजोन-छाते में पड़ चुके छेद और भी बड़े हो जाएँगे। परिणाम यह होगा कि सूर्य की पराबैंगनी घातक किरणें, फसलों और पशु-पक्षियों को ही नहीं बल्कि सारी मनुष्य-जाति को बरबाद करके रख देंगी। अगर हम इस अंधाधुंध प्रवृत्ति को बिलकुल नहीं रोक सकते, कुछ हद तक खत्म करने का प्रयास तो करना ही चाहिए न? फैसला तुम्हारे हाथ में है। पटाखे खरीदने से पहले तुम इस समाचार-पत्र में छपा यह निबंध जरूर पढ़ लेना।''

मैडम जुगनू के हाथ में समाचारपत्र थमा कर चली गईं। जुगनू निबंध पढ़ने लगा। ज्यों-ज्यों वह निबंध पढ़ता जा रहा था, उसकी आँखें खुलती जा रही थीं।

''क्या पढ़ने में व्यस्त हो जनाब? इसे छोड़ो और जल्दी आओ पटाखे खरीदने। देखो, गगन को भी ले आया हूँ,'' शैरी ने घर में प्रवेश करते हुए कहा।

''सॉरी शैरी! अब मैं पटाखे खरीदने नहीं जाऊँगा,'' जुगनू ने कहा।

''क्या?'' दोनों एकदम चौंक पड़े।

''पहले तुम ये निबंध पढ़ो। फिर अपना फैसला बताना।'' इतना कहकर जुगनू ने वह समाचारपत्र शैरी की तरफ बढ़ा दिया। शैरी और गगन आश्चर्य से वह निबंध पढ़ने लगे। ज्यों-ज्यों वे दोनों निबंध पढ़ रहे थे त्यों-त्यों उनके तेवर बदलते जा रहे थे।

गर्म लोहे पर चोट लगाता हुआ जुगनू बोला, ''अब चलें पटाखे खरीदने?''

गगन बोला, ''इन पटाखों का धुआँ इतना खतरनाक भी हो सकता है? इसके बारे में तो पहले कभी इतना बढ़िया निबंध पढ़ा ही नहीं था ।''

''क्या फैसला किया शैरी?'' इस बार जुगनू ने शैरी की तरफ मुड़ते हुए पूछा ।

''जो तुम्हारा फैसला है,'' शैरी बोला ।

''चलो इन रुपयों को किसी अच्छे काम के लिए अपनी-अपनी गुल्लक में डाल दें ।'' अभी जुगनू ने यह बात कही ही थी कि पड़ोस में चीखें सुनाई दीं । पता चला कि जब सरघी की मम्मी काम करने के बाद अपने घर लौट रही थीं तो किसी नटखट लड़के ने एक बड़े बम को आग लगाकर सड़क पर फेंक दिया और उस बम के कुछेक कण मम्मी की आँखों में पड़ गए थे । उनकी आँखों के आगे अँधेरा छा गया । उन्हें फौरन ही पास के अस्पताल में ले जाया गया ।

कुछ ही क्षणों के पश्चात तीनों दोस्त अपने-अपने रुपये लेकर अस्पताल में बैठे सरघी के पिता जी को देने के लिए घर से रवाना हो गए ।

मैंने समझा

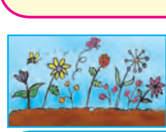

शब्द वाटिका

नए शब्द

भाँति-भाँति = तरह-तरह

आतिशबाजी = पटाखे

मुहावरे

आँखें खुलना = सही बात समझ में आना

तेवर बदलना = नाखुश होना

स्वयं अध्ययन

प्रदूषण फैलाने वाली विभिन्न वस्तुओं का प्रदूषण के प्रकार के अनुसार वर्गीकरण करो ।

अध्ययन कौशल

अंतरजाल की सहायता से 'बालवीर पुरस्कार' प्राप्त बालकों की जानकारी प्राप्त करके लिखो ।

सुनो तो जरा

दैनिक समाचार सुनो और मुख्य समाचार फलक पर लिखकर सुनाओ ।

वाचन जगत से

अंतरजाल से मंगल यान संबंधी जानकारी पढ़ो और कॉपी में लिखो।

* संक्षेप में जानकारी लिखो ।

१. ओजोन छाते में पड़ चुके छेद ।

२. बच्चों का पटाखे न खरीदने का फैसला ।

जरा सोचो तो ..... बताओ ।

यदि पटाखों से आवाज गायब हो जाए तो ...

बताओ तो सही

प्रकृति से प्राप्त होने वाला संदेश अपने शब्दों में बताओ ।

मेरी कलम से

तितली तुमसे बात करने लगे तो... संवाद लिखो ।

सदैव ध्यान में रखो

पर्यावरण संरक्षण में हम सबका योगदान आवश्यक है ।

विचार मंथन

।। स्वच्छ, शुद्‍ध पर्यावरण, देता स्वस्थ जीवन ।।

भाषा की ओर

स्त्री-पुरुष समानता दर्शाने वाले चित्रों को देखकर प्रभात फेरी के लिए घोषणाएँ तयार करो ।